

— सम्. dass.: मित्रं मिन्दतेर्नन्दते: प्रीयतेर्वा संत्रायतेर्मनुतेर्मादतेर्वा (lauter genn. der 3ten sg.) MBh. 8, 1992. संत्रायाम् 1, 6819.

2. त्रा (= 1. त्रा) m. Beschirmer, Beschützer: तं त्रेमस्य त्रितयः कृणवत् त्राम् RV. 1, 100, 7. तमिन्नेरो वि ळ्यते समीके रिंरिंकांसस्तन्वः कृणवत् त्राम् 4, 24, 3. — Vgl. 1. त्र.

त्राण (von त्रा) 1) partic. gehütet, beschützt; s. u. त्रा. — 2) n. das Schützen, Beschützen; Schutz, Hilfe AK. 3, 3, 8. 3, 4, 16, 96. H. 1323. an. 2, 143. MED. n. 14. KHÄND. UP. 8, 3, 2. उल्ले वर्षति u. s. w. न कुर्वीतात्मनस्त्राणं गोरकृवा तु शक्तिः M. 11, 113. त्राणात्पुत्र इति श्रुतिः MBh. 14, 2752. शरणागतस्य प्रभे कुरु त्राणाम् R. GORR. 2, 10, 24. त्वं नस्त्राणमनुत्तमम् MBh. 1, 1252. 1287. न त्राणां लभते त्राणमिच्छन्स काले 3, 13284. 4, 701. 2246. RAGH. 15, 3. लेकि नात्रिन्द त्राणां वैन्यान्मृत्योरिव प्रजाः BULG. P. 4, 17, 17. मनीनां त्राणकारणात् DEV. 11, 47. शिरसस्त्राणां कृत्तं मद्रश्मिवारणम् । प्रतिगृह्णीष पद्भ्यां (man hätte den gen. erwartet) च त्राणार्थं चर्मपादुके ॥ MBh. 13, 4642. In Comp. mit dem was, mit dem wovor geschützt wird und mit dem von dem der Schutz, die Hilfe ausgeht: घातत्राणाय वः शस्त्रम् ÇĀK. 11. KATHIS. 22, 219. PRAB. 81, 8. DEV. 11, 17. BHĀG. P. 3, 22, 3. घातम् 1, 7, 19. प्राणं BHARTR. 3, 61. मर्मत्राणानि चित्राणि शयनान्यासनानि च R. 2, 91, 70. कल्पयेयं गवां स्थानं वर्षत्राणाय HARIV. 3921. शीतत्राणां कुर्मः PĀNĀT. 169, 14. शीतं मे हिमत्राणां विधीयताम् III, 163. वातं P. 6, 2, 8. शोकारातिभयं HIT. 1, 203. सुरं die Hülfe der Götter DHŪRTAS. 66, 14. Schutz für den Körper, Harnisch, Helm u. s. w.: दक्षिता विविधैस्त्राणैः MBh. 3, 12092. मूर्धसु त्राणसारिषु KĀM. NĪTRIS. 13, 12. Vgl. ऋङ्कुलि, उदर, उरस्त्राण, करण, ब्रह्म, तनु, तल, शिरस्त्राण. — 3) f. त्राणा N. einer Pflanze, = त्रायमाणा RĪĠAN. im ÇKDR. NIGH. Pr. Auch n. H. an. MED.

त्रात (wie eben) 1) partic. gehütet, geschützt; s. u. त्रा. — 2) m. N. pr. eines Mannes P. 6, 1, 205, Sch. त्रात शेषुमतः Ind. St. 4, 372. — 3) n. Schutz ÇKDR. WILS.

त्रातर (wie eben) nom. ag. Beschirmer, Behüter, Retter AK. 3, 4, 16, 93. तनूनाम् RV. 2, 23, 8. तस्य त्राता भवसि तस्य सखा 4, 4, 10. इन्द्रं त्रातोत भवा वदता 6, 25, 7. त्राता न इन्द्र एनेतो मृच्छित् 7, 20, 1. 1, 31, 12. 178, 5. VS. 8, 46. AV. 4, 19, 3. 6, 99, 3. Indra TS. 2, 2, 7, 5. देवस्त्राता heisst insbes. Savitar RV. 10, 128, 7 (vgl. AV. 5, 3, 9 und u. 1. त्रा) und Bhaga 1, 106, 7. 3, 36, 3. 4, 55, 5. 8, 18, 20; vgl. 6, 30, 1. — त्राता भवास्माकम् MBh. 1, 8421. 3, 8809. 5, 386. 6, 3575. 7, 908. 13, 1668. R. 1, 62, 5. PĀNĀT. IV, 31. वैस्वतात् vor V. RAGH. 15, 57. त्रातर am Ende eines Eigennamens bei Kriegern JAMA bei KULL. zu M. 2, 32.

त्रातव्य (wie eben) adj. zu schützen, zu hüten MBh. 3, 532. 7, 908.

त्रात्र (wie eben) n. Schutz, Schirm: इन्द्रस्य त्रात्रम् N. eines Sāman Ind. St. 3, 208.

त्रापुर्ष (von त्रय) 1) adj. zinnern P. 4, 3, 138. Vgl. जातुष. — 2) Silber (aus Zinn hervorgegangen) H. c. 160 (त्रापुष).

त्रापुस adj. f. ई von der Pflanze त्रपुसो herrührend: समिध् ÇĀNTIKALPA 21.

त्राप्य partic. fut. pass. von त्रप् Vop. 26, 12.

त्रामन् (von त्रा) n. Schirm, Schutz: त्रामाविद्य सुश्रवसं त्रवेतिभिस्तव त्रामभिरिन्द्र तूर्वयाणाम् RV. 1, 53, 10. नद्यर्स्त्रामपो भुवन् 6, 46, 6. — Vgl. सु०.

त्रायसिका (von त्रायसी) f. = त्रायमाणा Suçā. 2, 78, 18.

त्रायसी (partic. f. von त्रा) f. dass. AK. 2, 4, 5, 16. Suçā. 2, 418, 8.

त्रायमाणा 1) partic. von त्रा; s. daselbst. — 2) f. श्री N. einer Pflanze AK. 2, 4, 5, 16. MED. n. 96. AV. 8, 2, 6. Suçā. 1, 142, 21. 157, 15. 2, 65, 2. 220, 11. 228, 3. 413, 17. 418, 4. nicht f. VARĀH. BHĀ. S. 43 (34), 10. das Geschlecht gar nicht zu bestimmen 47, 39. — Vgl. कृतत्रा.

त्रायमाणिका f. = त्रायमाणा RĪĠAN. im ÇKDR. NIGH. Pr.

त्रायोदर्श adj. f. ई zum 15ten Tage im Halbmonat (त्रायोद्देश) in Beziehung stehend gaṇa संधिवेलादि zu P. 4, 3, 16.

त्रास (von 1. त्रस्) 1) adj. subst. = त्रस 1: त्रासेन स्यावरेण च MBh. 7, 9476. — 2) m. a) Schreck, Angst TRIK. 3, 3, 446. H. 321 (= घाकस्मिर्कं भयम्). an. 2, 582. MED. s. 3. MBh. 13, 2048. R. 3, 30, 7. BHARTR. 3, 44. MĀKĀ. 119, 14. RAGH. 9, 58. KATHIS. 10, 128. SĀN. D. 193. प्राणास्त्रासा-क्राताः VID. 119. त्रासं या MBh. 7, 108. त्रासजनन R. 6, 16, 29. सर्वत्र त्रासमावहः BHĀG. P. 9, 11, 17. त्रासदायिन् H. 479. त्रासकत् VARĀH. BHĀ. S. 104, 4. त्रासमुत्पाद्य HARIV. 1209. खस्याप्यभवत्त्रासो दृष्ट्वा रामस्य विक्रमम् R. 3, 33, 43. मम त्रासार्थम् damit ich in Schreck gesetzt wurde HIT. 27, 15. RAGH. 2, 38. In comp. sowohl mit dem der in Angst geräthals auch mit dem vor dem, wovor man Angst hat: मूषकत्रासार्थम् PĀNĀT. 118, 11. लोकत्रासकर MBh. 3, 8716. विद्युत्सहस्रत्रासं जनयती VARĀH. BHĀ. S. 32, 5. वृकं Angst vor Wölfen MBh. 9, 2092. HARIV. 9355. इषु R. 3, 30, 6. तपस्विलङ्घनं KATHIS. 22, 138. Vgl. जल. — b) ein Fehler in einem Edelstein TRIK. H. an. MED.

त्रासदस्यव (von त्रसदस्य) 1) patron. RV. 8, 19, 32. 22, 7, 10, 33, 4. — 2) n. N. eines Sāman Ind. St. 3, 218.

त्रासन (vom caus. von 1. त्रस्) 1) adj. f. ई Jmd (gen.) erschreckend, in Angst jagend MBh. 3, 12389. 14325. 7, 6793. HARIV. 3062. 4295. 6791. R. 3, 7, 8. 6, 81, 27. त्रैलोक्यं MBh. 7, 5163. त्रासनी 5, 2343. 9, 582. त्रासन als Beiw. Çiva's 13, 1207. — 2) n. a) das Erschrecken, in-Angst-Setzen, das Aufschrecken: स्वबलं MBh. 4, 1706. पारावतं DAÇAK. in BENF. Chr. 196, 22. — b) Schreckmittel: एवंविधान्यनेकानि त्रासनानि — ससनुः BULG. P. 4, 10, 28. तत्कालयवनो बुद्धा त्रासनं पादवैः कृतम् HARIV. 6456.

त्रासनीय (von त्रासन 2.) adj. erschreckend, in Angst jagend: तोमरैः HARIV. 2430.

त्रासिन् (von 1. त्रस् oder त्रास) adj. furchtsam: न त्रासिनो न चपला न रौद्राः सत्ये स्थिताः MBh. 12, 5904.

त्रि UNĀDIS. 5, 66. pl. drei: त्रयः RV. 1, 34, 2. 8, 9. ÇĀT. BR. 10, 4, 2, 25. त्रोन RV. 2, 27, 8. 4, 33, 5. त्रीणि 1, 163, 3. AV. 2, 1, 2. 5, 28, 1. त्री RV. 1, 34, 9. 35, 8. 2, 27, 9. 10, 52, 6. ÇĀT. BR. 11, 6, 3. 1. त्रिमिः RV. 1, 34, 11. 116. 4. 3, 26, 8. ÇĀT. BR. 3, 2, 7, 6. त्रिभ्यः KĀTJ. ÇĀ. 23, 5, 3. 24, 2, 26. त्रिषु RV. 1, 15, 4. 24, 13. 105, 5. ÇĀT. BR. 13, 5, 3, 14. bei den Grammatikern und Lexicographen so v. a. trium generum AK. 1, 1, 2, 53. 2, 6, 2. 1. 8, 2, 55. मरिक् त्रीणामवो ऽस्तु द्युतं मित्रस्यार्यम्णाः । डुराधर्षं वरुणास्य RV. 10, 185, 1. त्रीणामपि समुद्राणो युगात्सेषु समागमः ved. Cit. in der KĀÇ. zu P. 7, 1, 53. in der späteren Sprache त्रयाणाम् (von त्रय) P. 7, 1, 53. AIR. BR. 3, 46. M. 2, 229. 7, 114. 200. 9, 186. f. nom. त्रिः RV. 1, 33, 6. 102, 8. ÇĀT. BR. 4, 5, 8, 12. acc. त्रिः RV. 1, 133, 4. ÇĀT. BR. 12, 7, 2, 6. त्रिभिः RV.